Episode-33

रेडियो धारावाहिक 'आने वाला कल'

रोबोट बना मुसीबत

आलेख– डा. अरविंद दुबे

अवधारणा और समन्वय: डॉ. बी. के. त्यागी

नेरेटर– दोस्तो रेडियो धारावाहिक 'आने वाला कल' की पिछली कड़ी में आपने सुना (पिछले एपिसोड का सार–संक्षेप)। आज हम बात करेंगे जनरल इंटेलिजेंस वाले रोबोट्स की, वे रोबोट्स जो कृत्रिम बुद्धि का प्रयोग कर के सिखाए गए या फीड किए गए व्यवहारों को दोहराते हैं। ऐसे रोबोट रिसेप्शनिस्ट, घरेलू नौकर, टाइम कीपर, या गार्ड की तरह प्रयोग किया जा सकते हैं। पर ऐसे रोबोट को प्रयोग करते समय हमें ऐसी मशीनों की सीमाओं का ध्यान रखना होगा। क्योंकि ऐसी मशीनों को एक निश्चित कमांड पर निश्चित व्यवहार करना सिखाया जाता है। ऐसी मशीनों को कमांड देते समय हमें कमांड की भाषा में एकरूपता का विशेष ध्यान रखना होगा। कमांड में जरा सा परिवर्तन होने पर मशीन के लिए उसका अर्थ बदल सकता है और मशीन का 'रिस्पोंस' पूरी तरह बदल सकता है। जिससे कई बार विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए स्मार्ट रोबोट को प्रयोग करते समय प्रयोगकर्ता (यूजर) को भी उतना ही स्मार्ट होना पड़ेगा। क्योंकि लाख कृत्रिम बुद्धि सही, पर हैं तो अंततोगत्वा वे मशीनें ही और मशीन सिर्फ प्रतिक्रिया करती है, 'रिस्पोंड' करती है अलग से कोई निर्णय नहीं ले सकती। गलती को सुधार नहीं सकती। आज की इस कड़ी में हमऐसी ही कमांड देने में हुई गलतियों और उसके कारण ऐसी मशीनों के व्यवहार में हुए परिवर्तन से उत्पन्न कुछ विषम परिस्थितियों की चर्चा करेंगे। तो हो जाइए तैयार सोचने, हंसने और मुस्कुराने के लिए।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–एक

स्थान–कृत्रिम बुद्धि वाले रोबोट का रिटेल आउटलेट– ए.आई. रोबोटिक्स।

(यहां आवश्यकतानुसार छोटे–मोटे कामों के लिए घरेलू सहायता के लिए कृत्रिम बुद्धि वाले रोबोट्स सप्लाई किए जाते हैं। विजया और नकुल अपने घर के लिए एक 'कंपेनियन कम हाउस सर्वेंट' वैरायटी का रोबोट खरीदने के लिए इस स्टोर में पहुंचे हैं। यह दोनों प्रौढ़ हैं इसलिए वॉइस चुनते समय इनकी आयु का ध्यान रखा जाना चाहिए।)

नकुलः हम इंटेलिजेंट रोबोट के मॉल पर आ गए, विजया, तुम तुम वह लिस्ट लाई हो जो हमने घर पर बैठकर बनाई थी कि हमें अपने रोबोट में रोबोट से क्या–क्या काम लेने हैं?

विजयाः कैसी बातें करते हो नकुल? सारी चीजें लिख कर लाई हूं। अब सड़क पर खड़े खड़े बतियाते ही रहोगे कि अंदर भी भी चलोगे?

नकुलः चलो।

(दोनों आगे बढ़ते हैं। उनकी दरवाजे पर खड़े रोबोट से मुलाकात होती है)

रोबोटः *(मशीनी आवाज)* ए.आई. रोबोटिक्स के इस मॉल में आपका स्वागत है। मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूं?

नकुलः हमें एक घरेलू ए.आई. रोबोट चाहिए।

मशीनी आवाजःघरेलू, किस तरह का घरेलू?

विजयाः अरे, जो हमारे घर का काम कर सके ऐसा, और क्या?

मशीनी आवाजः आपके घर में क्या–क्या काम होता है?

नकुलः *(गुस्से में)* घुइयां छीली जाती है।

मशीनी आवाजःक्षमा करें हमारे पास घुइयां छीलने के लिए कोई ए.आई. रोबोट मशीन उपलब्ध नहीं है।

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

विजयाः अरे घर में क्या काम होगा? वही जो सबके घरों में होता है। कोई अनोखा काम तो होता नहीं?

मशीनी आवाजःक्षमा करें अनोखा काम हमारे रोबोट के कमांड में नहीं आता।

विजयाः *(झल्ला कर)*– ओफ्फो, हो हमारे कहने का मतलब यह है कि वही काम जो सारे घरों में होते हैं, जैसे दरवाजा खोलना, चाय बनाना, खाना बनाना, पानी गर्म करना, घर की सफाई करना वगैरह–वगैरह।

नकुलः और हां थोड़ा हाथ–पांव भी दवा दे, कभी–कभी।

मशीनी आवाजःओके, आपको किस तरह का रोबोट चाहिए एंड्रॉइड या गाइनॉड?

नकुलः क्या मतलब?

मशीनी आवाजःदिखने में कैसा हो मेल या फीमेल?

नकुलः *(उत्साहित होकर)*– फीमेल चलेगा, फीमेल, क्यों विजया?

विजयाः *(व्यंग से)*– यहां भी बदमाशी, मेल रहेगा, सिर्फ मेल चलेगा।

नकुलः ठीक है ठीक है जैसी तुम्हारी मर्जी।

मशीनी आवाजःगाइनॉइड–6 सर को काउंटर नंबर 336 पर ले जाओ।

स्त्री मशीनी आवाजः ओके, चलिए श्रीमान।

विजयाः *(व्यंग से)*– और मैं?

स्त्री मशीनी आवाजः आप भी चलिए श्रीमती जी।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–दो

पुरुष स्वरः तो आपको घरेलू कामों के लिए एक ए.आई. रोबोट चाहिए?

नकुलः *(झल्ला कर)*– जी हां, और कितने लोग यह सवाल पूछेंगे?

पुरुष स्वरः देखिए सर, ये सारी मशीनें कस्टम मेड होती हैं।

विजयाः क्या?

पुरुष स्वरः ये सब यूजर्स की आवश्यकताओं के हिसाब से डिजाइन और प्रोग्राम की जाती है? कुछ सामान्य चीजें तो हर रोबोट में इंस्टॉल्ड होती हैं पर खास कामों के लिए आपको अपनी पसंद बतानी पड़ती है।

नकुलः ओके।

पुरुष स्वरः हम आपको एक फॉर्म देते हैं आपको इसमें टिक करना है कि आपको अपनी मशीन में कौन–कौन से फंक्शन चाहिए, यह लीजिए।

नकुलः ये फार्म है या डिक्शनरी। हम रोबोट खरीदने आए हैं एक्जाम में शामिल होने नहीं।

पुरुष स्वरः हें, हें, आप मजाक अच्छा कर लेते हैं। यह फार्म ही है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि हमारे पास कितने ऑप्शन हैं। इसके अलग–अलग सेक्शन में अलग–अलग फंक्शन्स की लिस्ट है। जैसे कि कुकिंग में, आप शाकाहारी हैं या मांसाहारी? शाकाहारी भोजन में आप मेन्यू में क्या क्या रखेंगे? मांसाहारी हैं तो क्या, क्या खाएंगे, चिकन, मटन या पोर्क? अंडा लेंगे तो कैसा? हाफ बॉयल्ड, फुल फ्राई, आमलेट, एग करी बगैरह, बगैरह। नमक कम लेंगे या ज्यादा? मिर्च कम लेते हैं या ज्यादा? मसाले कौन–कौन से डालेंगे? दाल खाएंगे तो कौन सी, अरहर की मूंग की मसूर की या मिक्स? तड़का लगाएंगे या नहीं? दाल किस चीज में परोसी जाना पसंद करेंगे कटोरी में या प्लेट में?

विजयाः बस, बसए बस। अभी तो अंडा और दाल ही तक पहुंच पाए हैं सारे खाने की बात होगी तो शाम हो जाएगी।

पुरुष स्वरः हें हें हें, आप इस फार्म को लेकर किसी के केबिन में बैठ जाइए। वहां अपने ऑप्शन्स पर टिक कर दीजिए। हर ऑप्शन के आगे उसकी कीमत लिखी है फिर इसे पूरा करके वहीं लगी मशीन पर रख दीजिए। हमारी मशीन इन ऑप्शन के हिसाब से आपके रोबोट की कीमत कैलकुलेट कर देगी।

नकुलः ओके, ओके, और कुछ?

पुरुष स्वरः आप क्या लेंगे काफी या कुछ और?

नकुलः (धीमें स्वर में)– मतलब बकरे को हलाल करने से पहले उसे खिलाने पिलाने की व्यवस्था भी है?

पुरुष स्वरः आपने कुछ कहा?

नकुलः नहीं, कुछ नहीं।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य– तीन

स्थान– ए.आई. रोबोटिक्स का मॉल।

(विजया और नकुल अपना आर्डर किया हुआ रोबोट लेने आए हैं।)

पुरुष स्वरः यह लीजिए यह रहा आपका रोबोट। आप उसका नाम क्या रखेंगे?

नकुलः क्यों, क्या नाम रखना जरूरी है?

पुरुष स्वरः जी, क्योंकि वास्तव में यह नाम नहीं एक कमांड होता है जो रोबोट को एक्टिवेट करता है।
विजयाः ओह, तो हम इसका नाम विनय रखें?

नकुलः कुछ भी रख लो, सब चलेगा बस यह मशीन चलनी चाहिए।

पुरुष स्वरः बिल्कुल चलेगी, यह हमारी जिम्मेदारी है। एक साल तक हम उसकी मेंटेनेंस का जिम्मा लेते हैं। इसके बाद आपको हर साल अपने कॉन्ट्रैक्ट का नवीनीकरण कराना पड़ेगा।

नकुलः ठीक है।

विजयाः विनय।

एक मशीनी आवाज– जी मालकिन।

(इसके लिए किसी एक आवाज का चयन करें। यही आवाज पूरे एपीसोड में चलेगी।)

विजयाः तुम हमारे साथ चलोगे?

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

नकुलः ठीक है चलो इसे गाड़ी में रखवाओ।

मशीनी आवाजःरखवाओ नहीं, बैठाओ।

नकुलः हुं।

मशीनी आवाजःआप लोग आगे चलो, मैं पीछे–पीछे आता हूं।

विजयाः (खुश होकर) –बहुत अच्छा है, होशियार भी है।

पुरुष स्वरः इसके साथ इसका यह मैनुअल है। इसकी सहायता से थोड़ी बहुत परेशानी तो आप स्वयं दूर कर सकेंगे। इसके अलावा हम तो हमेशा आपकी मदद को हैं ही, यह रहा हमारा फोन नंबर।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य– चार

स्थान–घर

(दरवाजे की घंटी बजती है)

विजयाः *(दूर से आती आवाज)–* विनय।

मशीनी आवाजः*(दूर से आती आवाज)–* जी मालकिन।

विजयाः जरा देख तो दरवाजे पर कौन है?

मशीनी आवाजः *(दूर से आती आवाज)*– जी मालकिन।

(विजय के चलने की आवाज। इसके लिए किसी एक आवाज का चयन करें वही आवाज पूरे एपिसोड में बनी रहेगी। दरवाजा खोलने की आवाज, आगंतुक एक महिला है।)

मशीनी आवाजः नमस्ते श्रीमती जी, अपना परिचय दें।

आगंतुक महिलाः ओह, तुम, यह विजया भी हर रोज क्या–क्या नए तमाशे ले आती है।

मशीनी आवाजः आप गलत कह रही हैं। मैं तमाशा नहीं हूं, विनय हूं।

आगंतुक महिलाः ठीक है, ठीक है। कहना मिसेज श्रीवास्तव आई हैं।

मशीनी आवाजः आप यहीं ठहरिए, मैं जाकर सूचना देता हूं।

(दरवाजा बंद करता है)

आगंतुक महिलाः *(स्वगत)*– अजीब है इसने तो दरवाजा बंद कर दिया।

(विनय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजःमालकिन

विजयाः क्या है?

मशीनी आवाजः बाहर मिसेज श्रीवास्तव आई हैं।

विजयाः *(बड़बड़ाते हुए)*– लो आ गई, इसके पास तो जैसे कोई काम ही नहीं है। बस इधर की उधर लगाएगी। इसके पास तो समय ही समय है। कभी इसकी चुगली करेगी कभी उसकी। *(थोड़ी रुक कर)* बुलाकर बैठा दे।

मशीनी आवाजःकहां बिठाऊं?

विजयाः *(क्रोध में)*– मेरे सिर पार और कहां?

(विनय के चलने की आवाज, दरवाजा खुलने की आवाज)

आगंतुक महिलाः कहां है विजया? क्या कहा उसने? अरे अंदर तो आने दे।

मशीनी आवाजः कहा, लो आ गई, इसके पास तो जैसे कोई काम ही नहीं है। बस इधर की उधर लगाएगी। इसके पास तो समय ही समय है। कभी इसकी चुगली करेगी कभी उसकी। आइए, अंदर आकर मालकिन के सिर पर बैठ जाइए।

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

आगंतुक महिलाः *(गुस्से में चिल्ला कर)*– अंदर जाए मेरी जूती, मैं चुगली करती हूं, मैं फालतू हूं?

(विजया को अंदर से यह डायलॉग सुनाई पड़ते हैं)

विजयाः *(स्वगत)*–क्या हुआ, अब इस विनय ने क्या मुसीबत खड़ी की?
(विजया कहते–कहते दरवाजे की ओर बढ़ती जाती है यहां एम्बिएंस का ध्यान रखें। विजया के दरवाजे की तरफ बढ़ने से बाहर का स्वर स्पष्ट होता जाएगा।)

विजयाः अरे मिसेज श्रीवास्तव, क्या हुआ? अंदर तो आइए।

आगंतुक महिलाः *(गुस्से में चिल्ला कर)*– अंदर जाए मेरी जूती, मैं चुगली करती हूं, मैं फालतू हूं? मेरा भी घर है। फालतू नहीं हूं मैं, जो इधर–उधर भटकती फिरूं। मेरी भी इज्जत है।

विजयाः *(शर्मिंदा होते हुए)*– नहीं मिसेज श्रीवास्तव ऐसा कुछ नहीं, यह सब इस विनय की बदमाशी है, मैने ऐसा तो कुछ भी नहीं कहा था।

मशीनी आवाजःआपने एकदम ऐसा ही कहा था।

विजयाः तू चुप रहेगा, चुप रह।

मशीनी आवाजःलो चुप हो जाता हूं।

विजयाः भूल जाइए मिसेज श्रीवास्तव, अंदर तो आइए।

आगंतुक महिलाः *(गुस्से में चिल्ला कर)*– अब मेरी जूती आएगी अंदर *(व्यंग से)* मैं चुगलखोर जो हूं।

(पांव पटकते हुए नाराज होकर चली जाती है।)

विजयाः *(डांटते हुए)*– यह सब तेरी बदतमीजी से हुआ विनय।

मशीनी आवाजःआपने ही तो ऐसा कहा था।

विजयाः तो क्या, तुझे तो यह सब नहीं कहना चाहिए था।

मशीनी आवाजःतो मुझे क्या कहना चाहिए था?

विजयाः तुझे कहना चाहिए था कि आइए, आइए, स्वागत है। उन्हें सोफे पर बैठा कर पानी का गिलास लेना चाहिए था।

मशीनी आवाजःपानी, ठंडा कि गर्म?

विजयाः ओफ्फो, ठंडा पानी।

मशीन आवाजः ओके, फीड किया गया।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–पांच

(विजया के गुनगुनाने का स्वर, दरवाजे की घंटी बजती है)

मशीनी स्वरः आ रहा हूं, आ रहा हूं।

(विनय के चलने की आवाज, कुछ क्षण बाद दरवाज़ा खोलने की आवाज)
(बाहर एक भिखारिन स्त्री खड़ी है)

मशीनी स्वरः नमस्ते श्रीमती जी, कृपया परिचय दें।

आगंतुक स्त्रीः दो दिनों से भूखी हूं। 10 रुपए दे दे बाबू, खाना खा लूंगी, भगवान तेरा भला करेगा बेटा।

मशीनी आवाजः आइए, आइए श्रीमती दो दिनों से भूखी, आपका स्वागत है, आइए।

भिखारी स्त्रीः मैं.....मैं.....मैं अंदर नहीं, मैं यहीं ठीक.....

मशीनी आवाजः नहीं, नहीं, आइए आइए।

(विनय और उस स्त्री के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजःयहां इस सोफे पर बैठिए श्रीमती दो दिनों से भूखी।

भिखारी स्त्रीः *(आश्चर्य से)*– मैं.....मैं.....मैं..... मैं

मशीनी आवाजःमैं पानी लेकर आता हूं। आप क्या पिएंगीं, चाय या काफी?

भिखारी स्त्रीः (हकलाती है)– मैं.....मैं.....मैं..... मैं

विजयाः *(दूर से आती आवाज)*– कौन है, कौन है विनय?

मशीनी आवाजः श्रीमती दो दिनों से भूखी, मैने श्रीमती दो दिनों से भूखी को सोफे पर बिठा दिया है।

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

विजयाः *(निरंतर पास आता स्वर)*– कौन है कौन है।

(विजया पास आती है और भिखारिन को सोफे पर बैठा देखती है)

विजयाः *(क्रोध में)*– कौन हो तुम? तुम यहां अंदर कैसे आई? भीख मांगने वाले अब अंदर आकर सोफे पर बैठेंगे, क्यों?

भिखारी स्त्रीः *हकलाती है)*– न न न न नहीं मालकिन..... वह तो इसने जबरदस्ती बिठाया.....म, म म म मैं तो अंदर आ ही नहीं रही थी.....

विजयाः *(क्रोध में)*– ये क्या हो रहा है विनय, ये अंदर कैसे आई?

मशीनी आवाजःमैंने बुलाकर उसे सोफे पर बिठाया।

विजयाः *(क्रोध में)*– मगर क्यों?

मशीनी आवाजःआपने ही तो उस दिन कहा था, कहा था न? श्रीमती दो दिनों से भूखी आप चाय लेंगीं या कॉफी?

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

विजयाः *(क्रोध में)–* ये लेगी मेरा सिर, तू अभी भी बैठी है, निकल..... निकल बाहर।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–छह

विजयाः विनय।

मशीनी आवाजः(पास आते हुए)– जी मालिकिन।

विजयाः विनय वह मेज पर नकुल की कमीज पड़ी है उसे जरा प्रेस कर दे।

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

(विनय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजःकमीज..... कमीज, पर यह तो कमीज नहीं है। *(विजया की आवाज की ईको)* नकुल की कमीज पड़ी है उसे प्रेस कर दे। कमीज, ओके, *(एक कपड़ा फटने की आवाज)* ओके..... ओके प्रेस हो गई।

(विनय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजः यह लीजिए मालकिन।

विजयाः हां ला, *(टोन बदलकर, आश्चर्य से)* अरे यह क्या है, यह तूने नकुल की पेंट क्यों फाड़ डाली? बेवकूफ तुझसे कमीज प्रेस करने को कहा था, तू एक पेंट फाड़ कर ले आया, क्यों?

मशीनी आवाजःमेज पर यही कपड़ा था, यह कमीज से मैच नहीं करता। आपने कहा कमीज प्रेस करो। फिर हमने इसको फाड़ा, कमीज की तरह बनाया फिर प्रेस किया, राइट?

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

विजयाः *(रोते हुए)–* राइट, मेरा सिर। नकुल की सबसे पसंदीदा पेंट फाड़ डाली.....हे भगवान इस बेवकूफ का मैं क्या करूं?

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–सात

(दरवाजे की घंटी बजती है, विनय के चलने की आवाज, दरवाजा खुलने की आवाज, नकुल का प्रवेश)

नकुलः हाय विनय, कैसे हो?

मशीनी आवाजःफाइन, बैटरी चार्ज 58 परसेंट, सरफेस टेंपरेचर 38 डिग्री सेंटीग्रेड, आल कनेक्शंस ओके, मेमोरी 63 परसेंट फुल, स्पीड.....

नकुलः मैं तुमसे तुम्हारा कॉफीग्रेशन नहीं पूछ रहा, तुम्हारा हाल पूछ रहा हूं।

विजयाः *(पास आता स्वर)–* नकुल आप आ गए?

नकुलः *(शरारत से)–* जी हां, लगता तो कुछ ऐसा ही है, विनय खड़े क्यों हो भाई? एक–एक कप गरमा–गरम चाय पिला दो तो मज़ा आ जाए।

मशीनी आवाजःजी सर।

(विनय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजःगरमा–गरम गरम, ओके गरमा–गरम, गरम प्लस गरम और गरम, ओके पिला दो, ओके।

नकुलः और कितनी देर लगाओगे विनय?

मशीनी आवाजः*(दूर से आता स्वर आता स्वर)–* आया सर।

(विनय के चलने की आवाज आती है। वह चाय का गर्म कप लाकर नकुल के मुंह से लगाकर टेढ़ा कर देता है। नकुल चिल्लाता है।)

नकुलः अरे, अरे, यह क्या कर दिया? हाय–हाय जल गया। अरे यह क्या कर दिया बेवकूफ? ये क्या कर रहे हो मेरी कमीज पर चाय गिरा दी। हाय रे जल गया। इसे मेज पर रख..... मेज पर रख..... .

(विजया के भागने की आवाज। नकुल के कराहने की आवाज धीमी होती है पर पृष्ठभूमि मे बनी रहती है। विजया और विनय के संवाद मुखर होते हैं)

विजयाः *(चिंतित स्वर)–* क्या हुआ नकुल, क्या हुआ?

नकुलः हाय–हाय इसने चाय गिरा दी, मेरे मुंह पर चाय गिरा दी, मेरे मुंह पर और मेरी कमीज पर..... ..... अरे देखो मुंह लाल पड़ गया..... अरे जल गया, अरे बहुत जल रहा है..... मर गया..... ....

विजयाः *(चिंतित स्वर)–* अरे ये तो बहुत जल गया है.....केसे हुआ.....किसने.....

नकुलः *(कराहते हुए)–* हाय, हाय .....इसने.....विनय ने.....इसने आकर चाय मुंह में लगा कर गिरानी शुरू कर दी.....हाय जल गया.....

विजयाः *(क्रोध में)–* विनय यह क्या किया.....क्यों?

मशीनी आवाजःसर ने कहा था चाय पिला दो।

विजयाः *(क्रोध में)–* तो क्या चाय ऐसे पिलाई जाती है? देखा नकुल कितना जल गए हैं? तू चाय को लाकर आराम से मेज पर नहीं रख सकता था?

मशीनी आवाजःमगर सर ने कहा था चाय पिलाओ..... गरमा–गरम पिलाओ। मेज पर रखने को नहीं कहा।

नकुलः *(कराहते हुए)–* हे भगवान, न जाने किस घड़ी में हमने यह फैसला लिया था? भागवान, विजया कोई मरहम हो तो लाओ..... जलन से चेहरा जला जा रहा है।

विजयाः *(क्रोध में)–* अभी दिमाग भी जलने लगेगा अगर अपनी पैंट की हालत देखोगे।

नकुलः अरे पैंट बाद में देखेंगे पहले तो कोई दवा हो तो लाओ..... जलन से मरा जा रहा हूं।

(कई स्त्री–पुरुषों की समवेत हंसी)

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–आठ

(दूर से टीवी की आवाज आती है)

विजयाः *(स्वगत)–* लगता है टीवी खुला रह गया। *(प्रकट में)* विनय अरे ओ विनय।

मशीनी आवाजः*(दूर से आती हुई)–*जी मालिकिन।

विजयाः विनय, टीवी बंद कर दे।

मशीनी आवाजः*(दूर से आती हुई)–* जी मालकिन।

(टीवी की आवाज बंद हो जाती है। विजया किसी को फोन करने में व्यस्त हो जाती है। इससे विनय को अपना काम करने का टाइम लेप्स मिलेगा।)

(विनय के चलने की आवाज, विनय एक बड़ा डिब्बा लाकर विजया के सामने रखता है।)

मशीनी आवाजःकर दिया मालकिन। टीवी बंद दर दिया।

विजयाः ठीक है *(आश्चर्य से)* यह क्या है? क्या है इस इतने बड़े डिब्बे में?

मशीनी आवाजःटीवी।

विजयाः क्या?

मशीनी आवाजःटीवी।

विजयाः *(क्रोध में)–* मगर टीवी इस डिब्बे में क्यों?

मशीनी आवाजःआपने कहा था कि टीवी बंद कर दो। मैंने टीवी दीवाल से उखाड़ कर इस डिब्बे में बंद कर दिया, राइट?

विजयाः *(झल्लाते हुए)–* खाक राइट, मैंने टीवी बंद करने को कहा था..... बंद करने को।

मशीनी आवाजःवही तो मैंने किया है। टीवी को डिब्बे में बंद कर दिया है।

(कई स्त्री पुरुषों की समवेत हंसी)

विजयाः हे भगवान बंद..... बंद.....कैसे समझाऊं.....आवाज बंद करने को कहा था.....

मशीनी आवाजःऑफ करने को..... आपने ऑफ करने को नहीं कहा था। टीवी बंद करने का मतलब आफ करना, फीड किया, राइट?

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य–नौ

नकुलः विनय?

मशीनी आवाजःजी सर।

नकुलः यह सब क्या है? हर जगह बत्तियां जला कर छोड़ देते हो। जाओ अंदर के कमरों की बत्तियां बुझा कर आओ।

मशीनी आवाजःजी सर।

(विनय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजः*(दूर होती हुई)*–बत्तियां बुझा कर आओ, बुझा कर बत्तियां आओ, ओके बत्तियां बुझाना.....

(विनय अंदर जाता है। एक फायर एक्सटिंग्विशर उठाता है और उसे बल्व के सामने रख कर खोल देता है। गैस निकलने की आवाज गूंजने लगती है)

विजयाः नकुल, यह आवाज कैसी है?

नकुलः कौन सी आवाज, विजया?

विजयाः अरे ध्यान से सुनो तो।

(गैस निकलने की आवाज मुखर होती है)

नकुलः अरे हां।

विजयाः विनय कहां है?

नकुलः मैंने उसे अंदर की बत्तियां बुझाने के लिए भेजा है।

विजयाः *(घबराते हुए तेज–तेज बोलती है)*– जरूर यह उसी की कोई कारस्तानी होगी। जल्दी चलो। अंदर देखो।

(भागती है)

विजयाः *(आश्चर्य से)*– विनय यह क्या है? यह फायर एक्सटिंग्विशर लेकर क्या कर रहे हो?

मशीनी आवाजःबत्तियां बुझा रहा हूं।

(कई स्त्री–पुरुषों की हंसी का समवेत स्वर)

विजयाः हे भगवान, यह क्या किया..... हर जगह फोम ही फोम, तुमसे बत्ती बुझाने को कहा था और तुम यह फायर एक्सटिंग्विशर चला रहे हो?

मशीनी आवाजःबुझा रहा हूं। बत्तियां अभी तक नहीं बुझी है कोशिश कर रहा हूं।

(गैस निकलने की आवाज मुखर होती है)

विजयाः ओहो..... नकुल आओ..... देखो यह इस ने क्या कर दिया?

नकुलः *(दूर से पास आती हुई आवाज)–* क्या हुआ? क्या हुआ?

विजयाः देख लो इस की करामात। सारे कमरे में फोम ही फोम भरा है।

नकुलः *(क्रोध में)–* विनय यह क्या है?

मशीनी आवाजःबत्तियां बुझा रहा हूं। इस बुझाने वाले सिलेंडर से बत्तियां बुझा रहा हूं।

(कई स्त्री पुरुषों की समवेत हंसी)

नकुलः बत्तियां बुझाने का मतलब बत्ती ऑफ..... बत्ती का स्विच ऑफ.....इलेक्ट्रीसिटी ऑफ।

मशीनी आवाजःओके, बत्ती बुझाने का मतलब बिजली का स्विच ऑफ..... फीड किया, राइट?

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य– दस

(ऊपर से पानी गिरने की आवाज आ रही है। साथ ही विजया मशीन से कपड़े धो रही है और गुनगुनाती जा रही है।)

विजयाः लो, वाशिंग मशीन बंद हो गई। मतलब धुल गए सारे कपड़े। विनय, कहां हो, यहां आओ।

मशीनी आवाजः*(दूर से आती हुई)–* यहां मालकिन।

(विजय के चलने की आवाज)

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

विजयाः ये कपड़े धुल गए हैं। इन्हें ले जाकर धूप में सुखा दे। याद है न उस दिन बताया था कि कपड़े धूप में कैसे सुखाते हैं?

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

विजयाः वैसे ही सुखाना, कोई खुराफात न करना।

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

(विजय के चलने की आवाज। बिल्ली की म्याऊं म्याऊं सुनाई देती है। विजया बिल्ली को गोद में उठा लेती है।)

विजयाः *(लाड़ से)–* किटी, किटी, किटी, ओह किटी कम.....कम, कम बेबी, कम ऑन।
(बिल्ली की आवाज पास आती है।)

विजयाः किटी, किटी, माय बेबी। इट्स बैड बेबी, ये कहां गंदा किया? ओफ्फो, इट्स डर्टी बेबी। ओके चलो मैं साफ कर दूं। तुझे नहला दूं।

(विजया का बिल्ली से बोलना और पुचकारना जारी रहता है। बिल्ली का म्याऊं म्याऊं करना जारी रहता है। विजया किटी को नहला रही है।)

विजयाः *(लाड़ से)–* वेरी गुड किटी, अब देखो क्लीन, एकदम क्लीन (पुकारती है) विनय?

मशीनी आवाजः*(दूर से आती हुई)–* आया मालकिन।

(विनय की चलने की आवाज जो पहले मंद–मंद सुनाई पड़ती है फिर धीरे–धीरे मुखर होते हुए पूर्णतया स्पष्ट हो जाती है।)

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

विजयाः विनय हल्के से पकड़ कर इस किटी को बाहर ले जा। गीली हो गई है, इसे सुखा ला। देखो कैसे सर्दी से कांप रही है? तब तक मैं भी नहा लेती हूं।

मशीनी आवाजःजी मालकिन।

(विनय बिल्ली को उठाता है। बिल्ली की म्याऊं म्याऊं की आवाज तेज होती है। विनय विनय की चलने की आवाज।)

मशीनी आवाजः*(स्वगत)–* कांप रही है धूप में सुखाना है, राइट?

(नल से पानी का गिरना, विजया का गुनगुनाना जारी रहता है। विजया नहा रही है। दूर से आती बिल्ली की म्याऊं म्याऊं की आवाज और तेज होने लगती है।)

विजयाः *(आश्चर्य से)* – अरे यह किटी क्यों चिल्ला रही है! क्या विनय ने फिर कोई खुराफात की? देखती हूं।

(विजया की पदचाप। जैसे–जैसे विजया बिल्ली के पास पहुंचती है, बिल्ली की म्याऊं म्याऊं और तेज होती जाती है। विजया बाहर आ गई है इसलिए सीन की एंबिएंस बदलें।)

विजयाः *(चिल्लाकर)–* ओह माई गॉड विनय, इस बिल्ली को डोरी से बांधकर क्लिप से डोरी पर क्यों लटकाया है? क्यों, ओह माय गॉड.....पूअर किटी..... किटी माई बेबी.....

(विजया जल्दी से किटी को खोलती है, पुचकारती है)

विजयाः *(लाड़ में)–* पूअर बेबी, तुमको कहीं लगी तो नहीं? *(विनय की ओर मुखातिव होकर)* विनय यह क्या बदतमीजी है?

मशीनी आवाजःधूप में सुखाना .....आपने कहा सुखाना धूप में। हमने इसे डोरी पर क्लिप से लटकाया, कैसे आपने उस दिन बताया था सुखाने के लिए।

(कई स्त्री पुरुषों की संमवेत हंसी)

विजयाः हे भगवान, क्या करूं मैं तेरा? आज ही मैं साफ कर लूंगी वरना तू तो इस घर को बर्बाद करके छोड़ेगा।

(नकुल का प्रवेश)

नकुलः क्या हुआ विजया? इतनी परेशान क्यों हो?

विजयाः नहीं, अब नहीं, अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। अगर ये विनय यहां रहा तो मेरा सिर फट जाएगा..... मैं पागल हो जाऊंगी। हमने तो सोचा था कि हमें इससे मदद मिलेगी, घर में एक साथी मिलेगा पर यह तो हमें पागल बना कर ही छोड़ेगा। नकुल कुछ करो..... कुछ करो नकुल, इसे कैसे भी हटाओ। जैसे भी होगा मैं घर का सब कुछ काम कर लूंगी..... इसे हटाओ नहीं तो मैं यह घर छोड़ कर चली जाऊंगी।

नकुलः *(जल्दी–जल्दी बोलता है)–* करता हूं, मैं कुछ करता हूं।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य– ग्यारह

(दरवाजे की घंटी बजती है। नकुल दरवाजा खोलते हैं)

एक पुरुष स्वरः मैं ए.आई. रोबोटिक्स से हूं।

नकुलः मैं नकुल, मैने ही आपको काल किया था।

विजयाः ओहो, आइए, आइए, हम आपकी ही प्रतीक्षा कर रहे थे।

पुरुष स्वरः आपको अपने रोबोट में क्या परेशानी है?

विजयाः बस परेशानी ही परेशानी है। कुछ कहो, कुछ करता है। हर रोज नए नए तमाशे खड़े कर देता है। *(उत्तेजना में)* हमारी जिंदगी को इसने तबाह कर रखा है। यह हमें पागल बना कर छोड़ेगा।

नकुलः हम सचमुच इसके व्यवहार से तंग आ चुके हैं।

पुरुष स्वरः *(आश्चर्य से)–* अच्छा ऐसा है? ठीक है मैं देखता हूं।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

शब्द दृश्य– बारह

(टीवी की आवाज आ रही है।)

पुरुष स्वरः नकुल जी, विजया जी, मैने पूरी मशीन चेक की है। इस रोबोट में किसी तरह की कोई खराबी नहीं है। विजया– मगर.....

पुरुष स्वरः मैं दिखाता हूं। विनय, टीवी स्विच ऑफ करो।

(टीवी की आवाज बंद हो जाती है)

पुरुष स्वरः विनय पानी लेकर आओ, मेज पर रखो।

(विनय की चलने की आवाज। विनय पानी लेकर आता है और मेज पर रखता है इसका ध्वनि प्रभाव दें)

पुरुष स्वरः नाइस विनय, आपने देखा आपको कहीं कोई कमी दिखी?

नकुलः पर हमारी तो हर बात पर यह अजीब तरह से हरकतें करता है।

पुरुष स्वरः हमने आपके दिए कमांड भी चेक किए हैं, जो इसकी मेमोरी में फीड हो गए हैं और उस पर इसके रिस्पांस भी चेक किए। दरअसल बात यह है कि आप इसी मशीन न मानकर घरेलू नौकर मानते हैं। आपको यह स्वीकार करना होगा कि यह कितनी भी एडवांस हो पर है तो मशीन ही। इसमें कुछ कमांड के लिए कुछ निश्चित व्यवहार फीड किए गए हैं। अगर आप अपने कमांड में कोई परिवर्तन करते हैं तो इसके व्यवहार में परिवर्तन आना निश्चित है।

नकुलः ओह।

पुरुष स्वरः इसलिए अपने कमांड में एकरूपता बनाइए। यह मशीन है यह आपकी बात का भावार्थ नहीं समझती है।

विजयाः मगर..... हम तो.....

पुरुष स्वरः *(बात काटते हुए)–* मशीन चाहे कितनी भी एडवांस हो जाए मगर वह इंसान के मस्तिष्क जितनी स्मार्ट नहीं हो सकती। वह आपकी बातों को वैसे ही ग्रहण करती है जैसा कि आपने बोला है। आप वास्तव में क्या कहना चाहते हैं, यह समझने की छमता मशीन में नहीं होती। याद रखिए अगर आप स्मार्ट मशीनों को प्रयोग कर रहे हैं तो आपको अपने व्यवहार में भी स्मार्ट होना पड़ेगा।

(दृश्य परिवर्तन संगीत)

नैरेटरः तो समझे आप, स्मार्ट मशीनों को प्रयोग करने से पहले अपने आपको स्मार्ट बनाइए। याद रखिए मशीन तो मशीन है वह कुदरत की मशीण यानि कि इंसान के बराबर नहीं हो सकती।

दोस्तो रेडियो विज्ञान धारावाहिक 'आने वाला कल' की आज की इस कड़ी में आपने सुनी यह हास्य नाटिका 'रोबोट बना मुसीबत', जिसमें हमने बताया कि किस तरह मशीनें दिए गए कमांड पर एक खास तरह से ही व्यवहार कर सकती हैं। इसलिए नॉरमल ह्यूमन इंटेलिजेंस होने के बावजूद भी यह एक इंसान की तरह व्यवहार नहीं कर सकतीं। कुदरत की बनाई यह मशीन यानी कि इंसान सर्वश्रेष्ठ है।

रेडियो धारावाहिक 'आने वाले आने वाला कल' की अगली कड़ी में हम सुनेंगे (अगले एपिसोड का सार संक्षेप)। तो सुनना न भूलिए आज के ही दिन आज के ही समय, रेडियो विज्ञान धारावाहिक 'आने वाला कल"। तब तक के लिए नमस्कार।

.....